वैश्विक स्तर पर खाद्य वस्तुओं थोड़ी नरमी का रुख आ सकता है।

नेचुरल रबर की कीमतों में तेजी बनने की संभावना

बिजनेस भास्कर • नई दिल्ली

बढ़ोतरी

घरेलू बाजार में नेचुरल रबर का कुल स्टॉक कम होने से आ रही है तेजी

पिछले पंद्रह दिनों में नेचुरल रबर की कीमतों में 6.8 फीसदी की तेजी

अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमतें सप्ताह भर में 3.4 फीसदी बढ़ी

टायर उद्योग की मांग बढ़ने से नेचुरल रबर की कीमतों में तेजी बननी शुरू हो गई है। पिछले पंद्रह दिनों में इसकी कीमतों में 6.8 फीसदी की तेजी आ चुकी है। गुरुवार को कोट्टायम में नेचुरल रबर का भाव बढ़कर 200 से 204 रुपये प्रति किलो हो गया। उधर अंतरराष्ट्रीय बाजार में नेचुरल रबर की कीमतें सप्ताह भर में 3.4 फीसदी तेज हुई है। दिसंबर के बाद नेचुरल रबर के उत्पादन का लीन सीजन शुरू हो जायेगा जिससे दाम और भी बढ़ने की संभावना है।

हरिसंस मलयालम लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर पंकज कपूर ने बताया कि टायर निर्माताओं की मांग बढ़ने से नेचुरल रबर की कीमतों में तेजी बननी शुरू हो गई है। 24 नवंबर को कोट्टायम में नेचुरल रबर का भाव 193-196 रुपये प्रति किलो था जबकि गुरुवार को भाव बढ़कर 200-204 रुपये प्रति किलो हो गया। उधर अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी इसकी कीमतें सप्ताह भर में करीब छह रुपये प्रति किलो बढ़ी है। ऐसे में आयात पड़ता भी महंगा हो गया है जिससे घरेलू बाजार में नेचुरल रबर की मौजूदा कीमतों में तेजी को बल मिल रहा है।

ऑल इंडिया रबर इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के चेयरमैन एम एल गुप्ता ने बताया कि जनवरी के बाद नेचुरल रबर के उत्पादन का लीन सीजन शुरू हो जायेगा। तथा घरेलू बाजार में नेचुरल रबर का कुल स्टॉक कम है। रबर बोर्ड के अनुसार 31 अक्टूबर को घरेलू बाजार में नेचुरल रबर का कुल स्टॉक 247,000 टन का है जबकि पिछले साल पहली अक्टूबर को 253,877 टन का स्टॉक था।

उधर बैंकाक में नेचुरल रबर का भाव बढ़कर गुरुवार को 181 रुपये प्रति किलो (भारतीय मुद्रा में) जो गया जबकि दो दिसंबर को इसका भाव 175 रुपये प्रति किलो था। भारतीय रबर बोर्ड के अनुसार चालू वित्त वर्ष 2011-12 की पहले सात महीनों अप्रैल से अक्टूबर के दौरान नेचुरल रबर का उत्पादन बढ़कर 4.80 लाख टन का हुआ है जबकि पिछले साल की समान अवधि में 4.57 लाख टन का उत्पादन हुआ है। इस दौरान खपत में हल्की बढ़ोतरी हुई है।

मुम्बई